1165 ७ 1169 1000Rs.

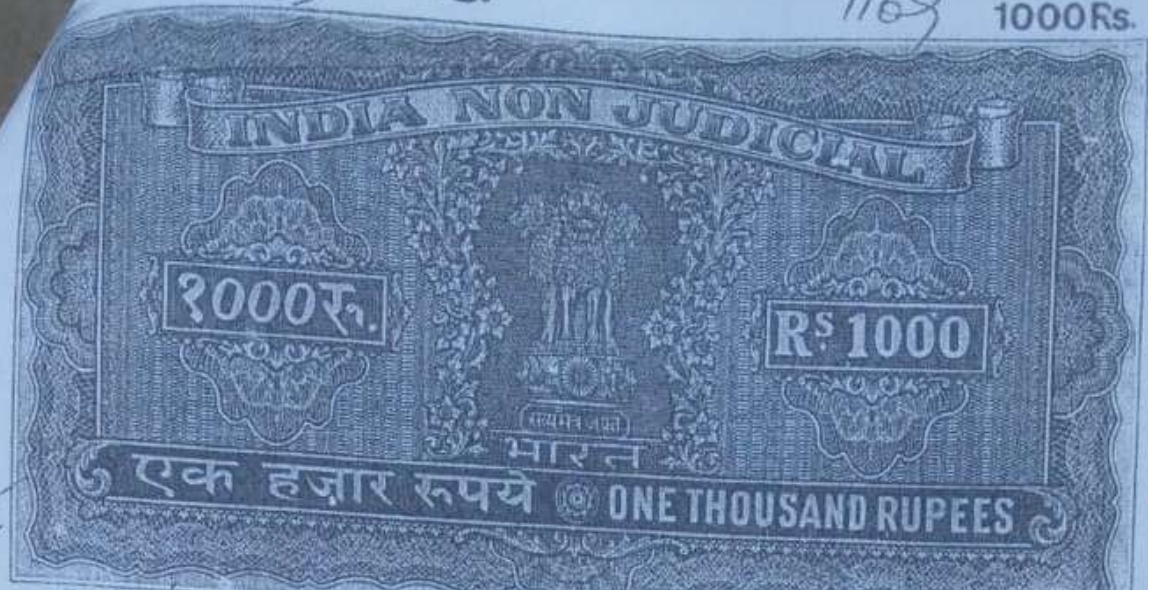

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

Scale 1:50000 Area 0.9½ Lack 1.00 Stamp 6000/

A. 1500.00
M. 36.00
2.50
P 1.00
1539.50

लेख्यकारी का नाम

शपथ पत्र संख्या 18 12 11/3/05

मो० फूलवन्ती देवी धर्मपत्नी स्व० महावीर प्रसाद मालाकार जाति- मालाकार राष्ट्रीयता- भारतीय पेशा- काश्तकारी साकिन मौजा- चतरा टोला- कुमड़ा वार्ड नं० 10 प्रगना अकुरी थाना- चतरा जिला- चतरा।

लेख्यधारी का नाम

शपथ पत्र संख्या 17 12 11/3/05

श्री कैलाश प्रसाद पिता स्व० महावीर प्रसाद मालाकार जाति- मालाकार राष्ट्रीयता- भारतीय पेशा काश्तकारी साकिन कस्बे- चतरा मुहल्ला कुमड़ा वार्ड नं० 10 प्रगना अकुरी थाना- चतरा जिला- चतरा।

11.3.05

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

बुक नं० १ भोलुम नं० २४ पेज नं० ३३६ता३६० बाखिले महावीर दुबे बयान वल्द महावीर प्रसाद मालाकार उर्फ महावीर मालाकार पति लोभिला के नाम से हासिल है, के पति लोभिला स्वर्गवास कर गये उनके बाद उनके घर के हालत - आमद खारिज के कायम कबीज है और लेखकारी फुलवन्ती देवी महावीर प्रसाद मालाकार के पत्नी के हैसियत से काबीज है, विक्रय भूमि के कुछ अंश में मकान आबादी बना हुआ है, जो आज स्थिति में है, जिसका होल्डिंग नं० ३६४ वार्ड नं० १० चतरा मुगड़ा महल्ला में अवस्थित है लेखकारी काफी जरूरी और कराने इलाज और परवरिश के लिये रुपये का जरूरत - जरूरत है, इसलिए लेखकारी, विक्रयभूमि एवं आबादी जमीन मकान सह रकबा केता के बिक्री किया। विक्रय सम्पदा का अब तक भी रसीद लेखकारी के पति के नाम से चलता चला आ रहा है।

1000

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

लेख्य प्रकार :- केवाला बैपला कबाली
(विक्रय पत्र)

तादाद जरेकम्मत :- मोबलीग १,५०,०००/= एक
लाख पचास हजार रुपया
जिसका आधा मो० ७५,०००/=
पचहत्तर हजार रुपया होता
है

तफसील जायदाद सैं मोवहेबा वार्ड नं० १०

मवाजी - ०-६-१/२ साढ़े नौव डिसमील जमीन आबादीय हकियत व्यक्ति कायमी वाके कस्बे चतरा टोला - झुमरा प्रगना अहुरी थाना चतरा थाना नं० १६५ सब रजिस्ट्री चतरा जिला रजिस्ट्री को जिला चतरा तौजी नं० २८ हाल खेवट नं० १ अन्दर म्युनिसिपैल्टी चतरा के वार्ड नं० १० में स्थित सम्पति अवस्थित है जिसका पूर्ण विवरण निम्न प्रकार है :—

I रसदी मालगुजारी मो० १-०० एक रुपया सालाना अलावे सेष।

६३

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रहा वो हक ऐ वपत्र यह लेखकारी
सपत्र के बबदल कीमत अदल मो० 150000/-
एक लाख पचास हजार रुपया वजिस्व-
बाजार के वाजिब कीमत पर बेचा वो हवाला
कैफला कलामी किया वो हैसोबदाया सम्पत्ति का
तमाम कमाल जरूरमन लेखकारी आज तारीख
को क्रेता सपत्र से वसुल पा गये, एव अब मोहय
जिसमें जरूरमन का क्रेता सदर के पास वाकी
नही रहा वो ना कभी वाकी जरूरमन का
दावा करेंगे

रहह के बवसुल तमाम कमाल
जरूरमन के तरीक उमरोज्या दे दिया
सम्पत्ति पर क्रेता वो उनके वारिसान कदम
मोकामियान को काबीज दाखिल का किया
के मालिकाना के तौर दखल कब्जा दे दिया
वो क्रेता भी उक्त सम्पत्ति पर खास
दखल कब्जा पा गये

२

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक.हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

यह कि उक्त सम्पत्ति पर लेख्यकारी बेला सिरकत उलगैरे वो बेमोदाखलत दीगरे काबीज दाखिल का मोतसरीफ व हासिल चले आते हैं वो है।

यह कि उक्त सम्पत्ति पर वार्दैन नुक्स खलल नहीं है, वार्दैन नुक्स खलल से बिलकुल पाक साफ है, अगर खिलाफ इसके कोई वार्दैन नुक्स खलल निकले तो उसकी कुल जवाबदेही, देनदारी असलन व जरीबदल खर्चा हर्जा नोकसानी के देनदार लेख्यकारी वो वारिशान कायम मोकामियान लेख्यकारी हैं वो होंगे वो देना होगें।

यह कि इसलिए लेख्यकारी अपने खुशी राजी इतमिनान मन मिजाज से बेला जब्र वो दाब नाजायज किसी गैरों के महज नेक नियति वो खुश दिली से सम्पत्ति साल वलीन इसे हकूक उसे मराफिक बेला मिन्हाई वो मोस्तसना बिक्री मुजो —

यह है अब उक्त सम्पत्ति पर
लेखकारी या उनके वारिसान कायम
मोकामियान को कोई हक हकूक
वास्ता स्वामित्व या दखल कब्जा
बाकी नहीं रहा जो कुछ हक हकूक
लेखकारी ~~को हासिल~~ है, या आइन्दे
हासिल होगा वजिद खुद लेखकारी
से मुन्तकिल होकर केता वो वारिसान
कायम मोकामियान को हासिल हुआ
वो होगा इसलिए खुशी राजी से
कुवाला ~~बैयनामा कबाला~~ हाज्या लिख
दिया कि समयपर काम आवे
आज तारीख 11 ग्यारह माह मार्च
सन 2005 दो हजार पाँच ईस्वी
कातिब गवाह विनोद कुमार साकिन
चतरा बाजे छोकि बशिका हाजा
दो किता में तैयार हुआ है, द्वितीय
किता मूल का नकल है वा० कातिब।
ता० 11-3-2005 ई०

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

नाम मालिक :- भास्कर सरकार कमल चन्द्र ।

सर्वे खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा ए० डी०	मध्ये बिक्री रकबा ए० डी०
१४८ (एक सौ अड़तालिस) हाल खाता नं० १४८/४ (एक सौ अड़तालिस बटा चार)	१५०५ (पन्द्रह सौ पाँच)	०-१६½ "	०-९½ (साढ़े नौ डी०) आवासीय

सैरोवईया विक्रय सम्पदा का चौहद्दी

उत्तर- रास्ता लिपदा रोड़

दक्षिण- रास्ता बादहु एवं मथुरा साव केशरी

पूरब- कमल बहादुर प्रसाद

पश्चिम- रास्ता बादहु एवं मथुरा साव केशरी।

यह है उक्त विक्रय सम्पदा निर्धारित कुबाला रेजिस्टरी दिनांक २२-५-१९८५ केवाला वैयक्ता कबाली नं० २८६२ दिनांक २२-५-१९८५-

[illegible]

[illegible] २२.३.०५